सक्षम इकाई और समान अवसर प्रकोष्ठ

गृह विज्ञान संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय

सत्र 2023-24 की रिपोर्ट

कार्यक्रम।	**दिनांक**	**स्थान**	**संसाधन व्यक्ति**	**प्रतिभागी**
अभिविन्यास	6 अक्टूबर, 2023	कॉन्फ्रेंस रूम	डॉ. जगदीश सिंह	छात्र

अभिविन्यास कार्यक्रम का आरंभ सुबह 10:00 बजे हुआ। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य SOPAAN के उद्देश्यों को स्पष्ट करना था, जैसा कि SOPAAN सोसाइटी की अध्यक्ष कणिका कुमारी यादव ने बताया। उन्होंने हमारे समाज में व्याप्त भेदभाव, असमानता और हाशिए पर रहने वालों के प्रति जागरूकता के महत्व पर जोर दिया। कार्यक्रम में कॉलेज में हाशिए पर रहने वाले समुदायों के लिए की जा रही वकालत,

विकलांग छात्रों को परामर्श और सहायता, और वंचित पृष्ठभूमि के छात्रों को सहायता प्रदान करने पर भी प्रकाश डाला गया।

प्रारंभ में, डॉ. जगदीश सिंह और EOC संयोजक, श्रीमती शर्मिला, ने विकलांग व्यक्तियों (PWDs) को प्रभावित करने वाले अपमानजनक शब्दों पर एक महत्वपूर्ण चर्चा की। इसका उद्देश्य स्वयंसेवकों के बीच जागरूकता बढ़ाना था, यह जोर देकर कहा कि विकलांग व्यक्ति समानता की तलाश करते हैं, सहानुभूति या हमदर्दी नहीं। उन्होंने विकलांग व्यक्तियों के सामने आने वाली चुनौतियों में समाज की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी चर्चा की। श्रीमती शर्मिला ने व्यक्तिगत किस्से साझा किए, जिससे यह पता चला कि डॉ. जगदीश को कुछ स्थानों और अनुभवों तक पहुँचने में कठिनाई का सामना करना पड़ा, जो कि संरचनात्मक पहुंच की कमी के कारण था। यह समावेशी वातावरण की तत्काल आवश्यकता को उजागर करता है ताकि सभी, चाहे वे किसी भी क्षमता के हों, जीवन की खुशियों का बिना बाधा आनंद ले सकें।

कार्यक्रम के अंत में, डॉ. जगदीश सिंह और प्रो. शर्मिला ने समाज की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए समानता की वकालत की। सत्र ने यह स्पष्ट किया कि विकलांगता कभी भी अवसरों और अनुभवों तक पहुँचने में बाधा नहीं होनी चाहिए।

इसके अलावा, हमारे कॉलेज निदेशक की प्रतिबद्धता और दृष्टि प्रेरणादायक थी। उनकी विकलांग व्यक्तियों के अधिकारों के प्रति समर्पण और एक सुरक्षित और समावेशी कॉलेज वातावरण को बढ़ावा देने का उनका लक्ष्य प्रशंसनीय संकल्प को दर्शाता है। यह ओरिएंटेशन सत्र सभी उपस्थित लोगों को एक अधिक समावेशी और करुणामय समाज में सक्रिय रूप से योगदान करने के लिए प्रोत्साहित करने वाला उत्प्रेरक है, जहां विकलांग व्यक्तियों के अधिकारों और जरूरतों का पालन किया जाता है।

कार्यक्रम II	**दिनांक**	**स्थान**	**संसाधन व्यक्ति**	**प्रतिभागी**
जागरूकता सेमिनार	13 फरवरी, 2024	कॉन्फ्रेंस रूम/1004	श्री जयंत सिंह राघव और श्री दीपक मिश्रा	छात्र

सार्वजनिक स्थलों में पहुंच से संबंधित मुद्दों के प्रति छात्रों में जागरूकता बढ़ाने के लिए, NCPEDP-जावेद आबिदी फेलो, जयंत सिंह राघव और स्वतंत्र फिल्म निर्माता, श्री दीपक मिश्रा को चर्चा के लिए आमंत्रित किया गया। यह जागरूकता सेमिनार NCPEDP और भूमिका ट्रस्ट के सहयोग से आयोजित किया गया था, जिसमें 'बाधा-रहित मतपत्र: सभी क्षमताओं के लिए मतदान अधिकार सुनिश्चित करना' विषय पर विशेष जोर दिया गया।

संसाधन व्यक्तियों ने छात्रों के साथ चर्चा की, जिसमें विकलांग व्यक्तियों के नागरिक जीवन में पूरी तरह से भाग लेने और विभिन्न राजनीतिक और सार्वजनिक स्थलों द्वारा प्रदान किए गए सांस्कृतिक और मनोरंजक अवसरों का आनंद लेने के मौलिक अधिकारों के विचार पर जोर दिया। शारीरिक, सूचनात्मक और दृष्टिकोणात्मक बाधाओं को संबोधित करके, यह प्रयास किया गया कि सभी नागरिकों के लिए एक अधिक समावेशी और समानता वाला वातावरण बनाने की आवश्यकता को उजागर किया जा सके, चाहे उनकी (अ)क्षमता जो भी हो।

कार्यक्रम III	**दिनांक**	**विषय**	**प्रतिभागी**
निबंध प्रतियोगिता	21 फरवरी, 2024	विविधता, समानता और समावेश	अंतर-महाविद्यालय छात्र

21 फरवरी, 2024 को, गृह विज्ञान संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 'विविधता, समानता और समावेश' विषय पर एक अंतर-महाविद्यालय निबंध प्रतियोगिता आयोजित की। इस आयोजन का उद्देश्य प्रतिभागियों के बीच बौद्धिक जुड़ाव और आलोचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करना था, जिससे विभिन्न शैक्षणिक विषयों का प्रतिनिधित्व करने वाले स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों की उत्साही भागीदारी मिली।

विभिन्न श्रेणियों में शीर्ष तीन निबंधों को पहचान और पुरस्कार प्रदान किए गए। विजेता निबंध स्पष्टता, मौलिकता और विश्लेषण की गहराई के लिए उत्कृष्ट रहे, जो प्रतिभागियों की प्रतियोगिता के विषय के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। प्रतियोगिता ने संवाद को बढ़ावा देने और कॉलेज समुदाय के भीतर समावेशिता को प्रोत्साहित करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया, जिससे छात्रों के समग्र विकास में योगदान मिला।

संपर्क-https://drive.google.com/drive/folders/17sNJePvhP_hhB6SNhCVoPdjuXgdJZXGR

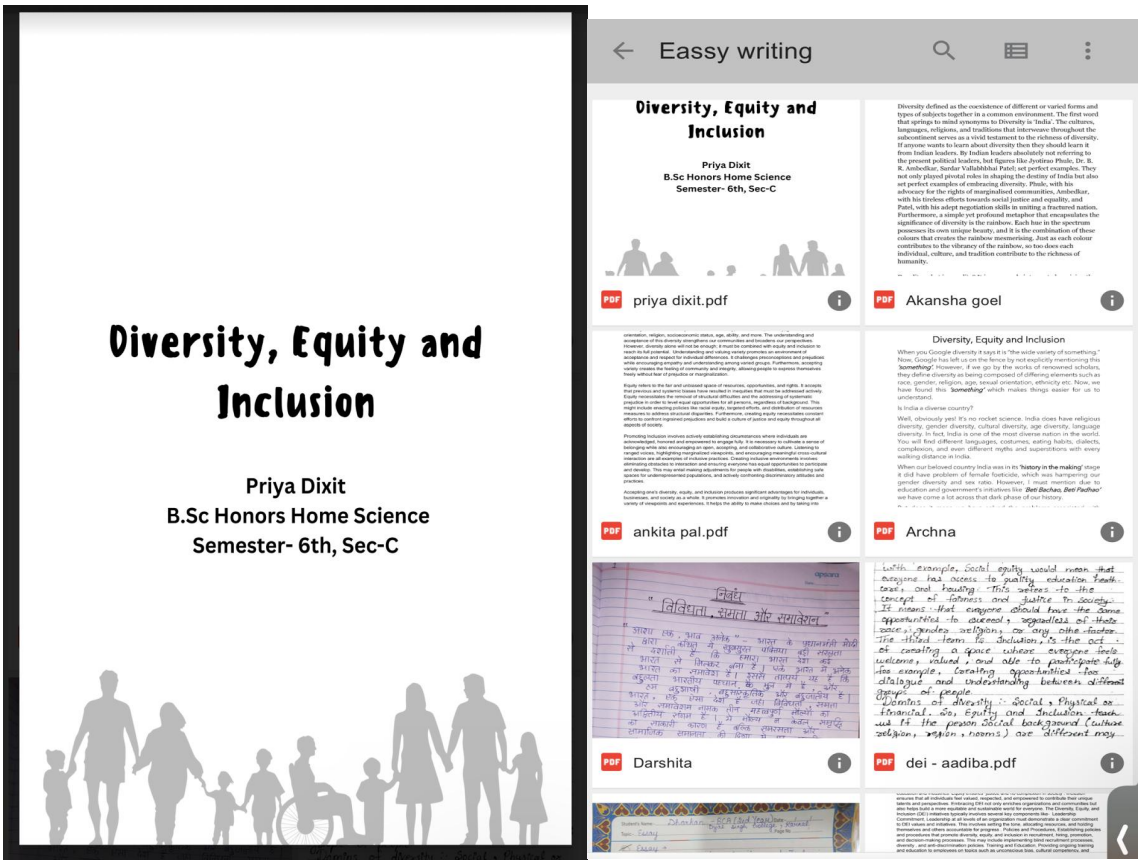

कार्यक्रम IV	दिनांक	स्थान	संसाधन व्यक्ति	प्रतिभागी
संवेदीकरण कार्यशाला	28 फरवरी, 2024	कॉन्फ्रेंस रूम/1004	प्रोफेसर रेनू मालवीय	गैर-शिक्षण कर्मचारी

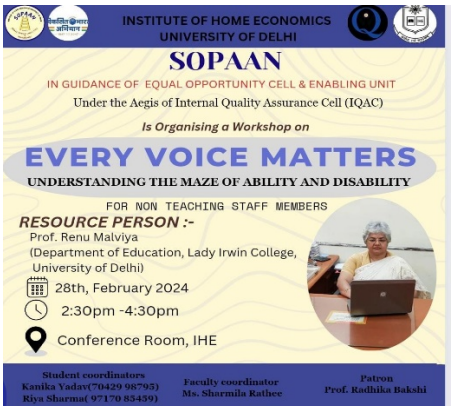

समान अवसर प्रकोष्ठ द्वारा कॉलेज के गैर-शिक्षण कर्मचारियों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का विषय था, "हर आवाज महत्वपूर्ण है: क्षमता और विकलांगता की भूलभुलैया को समझना"।

प्रोफेसर रेनू मालवीय, लेडी इरविन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग की एक प्रतिष्ठित प्रोफेसर, इस कार्यशाला की संसाधन व्यक्ति थीं। वे समावेशन के क्षेत्र में अपनी विशेषज्ञता और अनुभव के लिए प्रसिद्ध हैं, और समावेशी प्रथाओं में उत्कृष्टता का समर्थन करती हैं। उनका लक्ष्य विभिन्न संदर्भों में क्षमता और विकलांगता की जागरूकता और समझ को बढ़ाना है।

कार्यशाला में, प्रोफेसर मालवीय ने क्षमता और विकलांगता के विभिन्न पहलुओं, समस्या-समाधान, और हम कैसे एक सहायक और समावेशी समाज का निर्माण कर सकते हैं, को समझने का प्रयास किया। कार्यशाला का उद्देश्य विभिन्न शारीरिक, मानसिक और सामाजिक स्थितियों के अंतर्निहित तत्वों को समझना था जो किसी व्यक्ति की क्षमताओं और विकलांगताओं को प्रभावित करते हैं। इस मंच का प्रतिभागियों द्वारा अपने विचारों और अनुभवों को साझा करने के लिए अच्छी तरह से उपयोग किया गया, जिससे समझ, समर्थन, और क्षमताओं के प्रति जागरूकता में वृद्धि हुई।

कार्यशाला ने सभी प्रतिभागियों को क्षमता और विकलांगता के विभिन्न पहलुओं को गहराई से समझने के लिए एक मंच प्रदान किया। क्षमता और विकलांगता हमारे समाज के दो पहलू हैं, जिन्हें समझना और सहानुभूतिपूर्वक निपटना हमारे सामाजिक समृद्धि के लिए महत्वपूर्ण है।

प्रतिभागियों ने एक नया दृष्टिकोण प्राप्त किया और यह समझा कि एक बेहतर समाज की नींव कैसे रखी जा सकती है, यह महसूस करते हुए कि समावेशन के विभिन्न पहलुओं को समझना और स्वीकार करना हमारे समाज के लिए अत्यंत आवश्यक है। सभी प्रतिभागियों का योगदान इस कार्यशाला को सफल बनाने में महत्वपूर्ण था।

कार्यक्रम V	**दिनांक**	**विषय**	**प्रतिभागी**
ई-पोस्टर प्रतियोगिता	1 मई, 2024	"मेरा समावेशी भारत का दृष्टिकोण"	अंतर-महाविद्यालय छात्र

कॉलेज के समान अवसर प्रकोष्ठ ने "मेरा समावेशी भारत का दृष्टिकोण" विषय पर एक ई-पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता आयोजित की। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य रचनात्मकता को बढ़ावा देना और छात्रों को एक समावेशी और समानता वाले समाज के लिए अपने विचारों और दृष्टिकोण को व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करना था। इस पहल का उद्देश्य समावेशिता के प्रति जागरूकता बढ़ाना और कॉलेज समुदाय के भीतर स्वीकृति और विविधता की संस्कृति को बढ़ावा देना था। प्रतियोगिता के दिशा-निर्देश छात्रों को पहले से ही साझा कर दिए गए थे, जिसमें उनके ई-पोस्टर्स के प्रारूप, विषयों और प्रस्तुतिकरण प्रक्रिया पर स्पष्ट निर्देश दिए गए थे। इससे एक संरचित और निष्पक्ष प्रतियोगिता सुनिश्चित हुई, जिससे छात्र अपने सर्वश्रेष्ठ काम को प्रस्तुत करने पर ध्यान केंद्रित कर सके। प्रस्तुतियों ने समावेशिता पर विविध दृष्टिकोणों को

उजागर किया, जो भारत को अधिक समावेशी बनाने के विभिन्न सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक पहलुओं को संबोधित करते हैं।

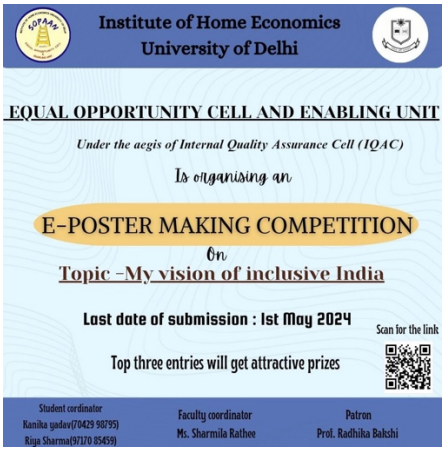

विभिन्न प्रविष्टियों में से, स्मृति मिश्रा द्वारा तैयार किया गया ई-पोस्टर अपनी रचनात्मकता, विचार की गहराई और दृश्य प्रभाव के लिए सबसे अलग था। स्मृति की डिजिटल कला ने समावेशिता के सार को खूबसूरती से चित्रित किया, एक ऐसे समाज की कल्पना की जहां हर कोई, चाहे उनकी पृष्ठभूमि जो भी हो, समान अवसरों के साथ फल-फूल सके।

विजेता प्रविष्टि पोस्टर

Enabling Unit and Equal Opportunity Cell

Institute of Home Economics, University of Delhi

Report for Session 2023-24

Event I	Date	Venue	Resource Person	Participants
Orientation	6 Oct'23	Conference room	Dr. Jagdish Singh	Students

The orientation program commenced at 10:00 a.m. The primary focus of the program was to elucidate the objectives of SOPAAN, as articulated by SOPAAN Society President Kanika Kumari Yadav. She underscored the importance of sensitization towards discrimination, inequality, and marginalization prevalent in our society. The program also highlighted advocacy efforts within the college for marginalized communities, the provision of counselling and support to disabled students, and assistance to students from disadvantaged backgrounds.

During the orientation, Dr. Jagdish Singh and EOC convenor, Ms. Sharmila, led a significant discussion on derogatory terms affecting Persons with Disabilities (PWDs). The aim was to reinforce awareness among volunteers, stressing that PWDs seek equality rather than sympathy or empathy. They also delved into the influential role of society in the challenges faced by

PWDs. Ms.Sharmila shared personal anecdotes, expressing repentance over Dr. Jagdish's difficulties in accessing certain places and experiences due to the infrastructural inaccessibility. This highlighted the urgent need for inclusive environments to ensure everyone, regardless of abilities, can enjoy life's pleasures unhindered.

In conclusion, the orientation session at the College was enlightening, shedding light on the diverse life experiences of PWDs. Dr. Jagdish Singh and Prof. Sharmila emphasized society's crucial role, advocating for equality rather than sympathy. The session highlighted that disabilities should never limit one's access to opportunities and experiences.

Moreover, the commitment and vision of our college director were inspiring. Her dedication to PWD rights and her goal of fostering a safe and inclusive college environment demonstrated admirable resolve. This orientation session serves as a catalyst for encouraging all attendees to actively contribute to a more inclusive and compassionate society, where the rights and needs of PWDs are upheld.

Event II	**Date**	**Venue**	**Resource Person**	**Participants**
Awareness Seminar	13 Feb 2024	Conference room/1004	Mr. Jayant Singh Raghav and Mr. Deepak Mishra	Students

In order to create the awareness among students about issues related to accessibility in public spaces, NCPEDP-Javed Abidi Fellow, Jayant Singh Raghav and Mr. Deepak Mishra, an

independent film maker, were invited to discuss the concerns pertaining to barrier-free access to political spaces and tourist places for people with disabilities.

Conducted in collaboration with NCPEDP & Bhumika Trust, this awareness seminar exclusively emphasised on the theme 'Barrier-Free Ballots: Ensuring Voting Rights for All Abilities'.

Resource persons facilitated discussion with students around the idea of fundamental rights of individuals with disabilities to participate fully in civic life and to enjoy the cultural and recreational opportunities offered by various political and public spaces. By addressing the physical, informational, and attitudinal barriers that hinder accessibility, an attempt was made to highlight the need for creating a more inclusive and equitable environment for all citizens irrespective of their (dis)abilites.

Event III	Date	Theme	Participants
Essay Competition	21 Feb 2024	Diversity, Equity, and Inclusion	Inter-college students

On February 21, 2024, the Institute of Home Economics, University of Delhi, hosted an Inter College Essay competition focusing on the theme of Diversity, Equity, and Inclusion. This event aimed to stimulate intellectual engagement and critical thinking among participants, drawing enthusiastic involvement from both undergraduate and postgraduate students representing diverse academic disciplines.

A panel of distinguished judges, including faculty members, scholars, and professionals, meticulously evaluated the essays to ensure a fair and thorough selection process. After careful deliberation, winners were chosen across different categories, with the top three essays in each category receiving recognition and rewards. The winning essays stood out for their clarity, originality, and depth of analysis, reflecting the participants' commitment to the competition's theme. The competition served as a platform for fostering dialogue and promoting inclusivity within the college community, contributing to the holistic development of students as socially aware and intellectually engaged individuals.

Link:- https://drive.google.com/drive/folders/17sNJePvhP_hhB6SNhCVoPdjuXgdJZXGR

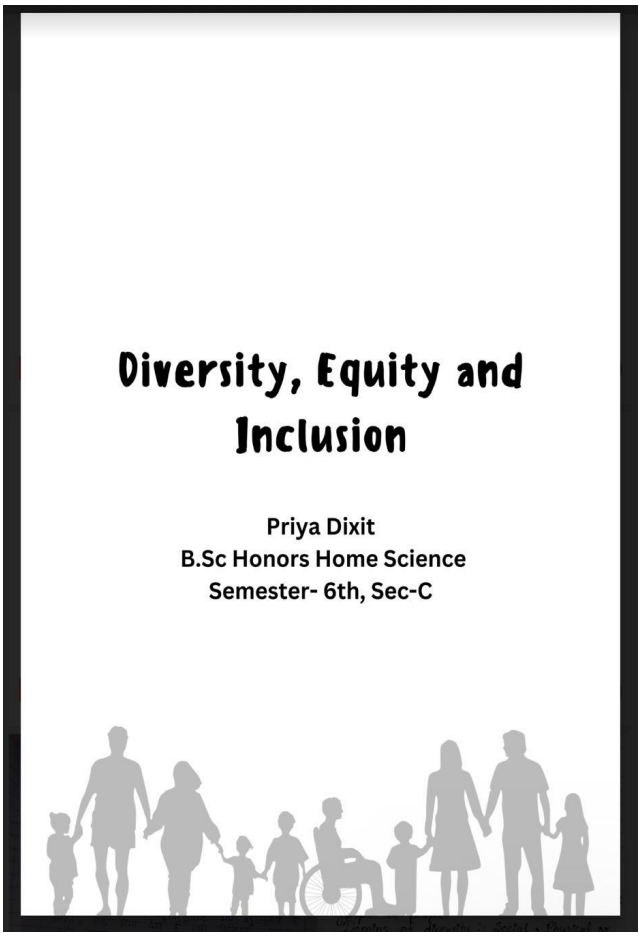

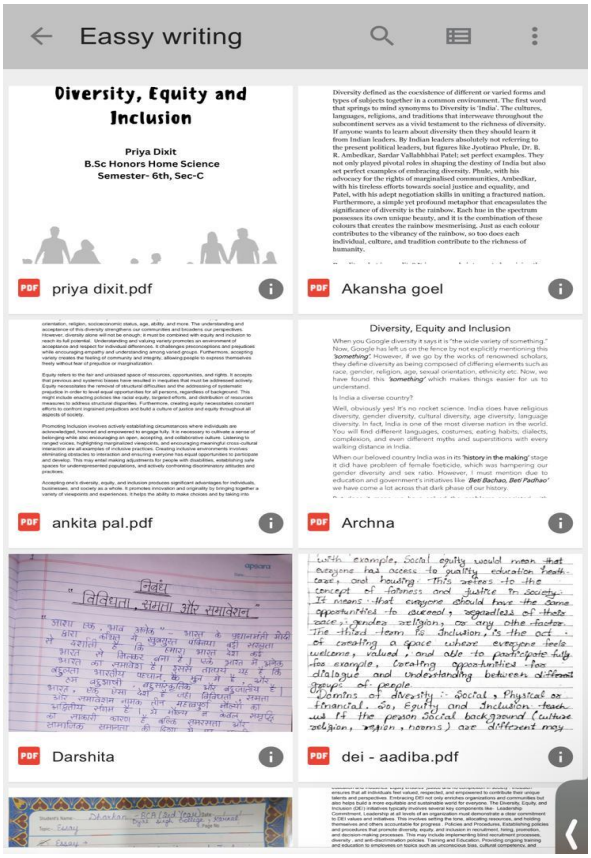

Event IV	Date	Venue	Resource Person	Participants
Sensitization Workshop	28 Feb 2024	Conference room/1004	Prof Renu Malaviya	Non-teaching staff

The workshop was organised by Equal Opportunity Cell towards sensitization of the non-teaching staff of the college. The theme for the workshop was, “Every voice matters: Understanding the maze of ability and disability”.

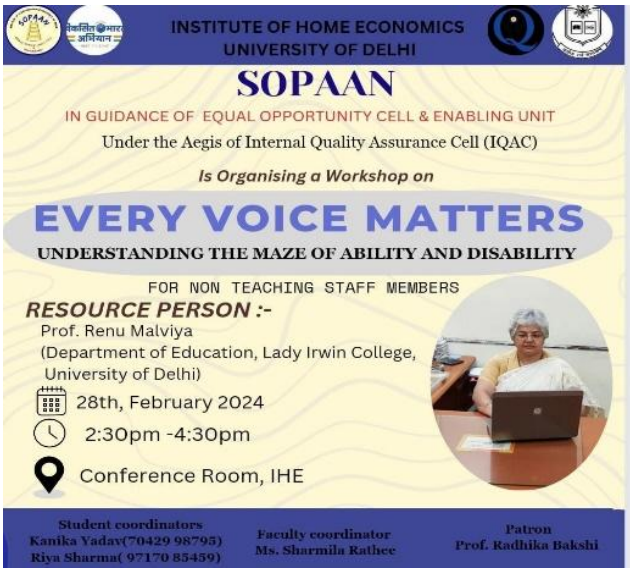

Prof Renu Malaviya, a distinguished professor from Department of Education, Lady Irwin College, Delhi University was the resource person. She is renowned for her expertise and experience in the field of inclusion, supporting excellence in inclusive practices, and her goal is to enhance awareness and understanding of ability and disability in various contexts.

In the workshop, an attempt to understand various aspects of ability and disability, problem-solving, and how we can build a supportive and inclusive society was addressed by Prof Malaviya. The objective of the workshop was to understand the underlying elements of various physical, mental, and social conditions that influence an individual's abilities and disabilities. The platform was well utilised by the participants to share their thoughts and experiences, fostering understanding, support, and increasing

The workshop was a platform where everyone collectively strived to understand the nuances of ability and disability deeply. Ability and disability reflect two facets of our society. Understanding and dealing with it empathetically is crucial for our social prosperity. The participants gained a new perspective and understood how to lay the foundation for a better society, realizing that understanding and accepting various aspects of inclusion are extremely

necessary for our society. The contribution of all participants was crucial in making this workshop successful.

Event V	**Date**	**Theme**	**Participants**
E-Poster Making Competition	01 May 2024	"My Vision of Inclusive India"	Inter-college students

The Equal Opportunity Cell of college organized an e-poster making competition themed "My Vision of Inclusive India". The primary objective of this competition was to foster creativity and encourage students to express their ideas and visions for an inclusive and equitable society. This initiative aimed to raise awareness about inclusivity and promote a culture of acceptance and diversity within the college community.

Guidelines for the competition were shared with students well in advance, providing clear instructions on the format, themes, and submission process for their e-posters. This ensured a structured and fair competition, allowing students to focus on delivering their best work. The entries highlighted diverse perspectives on inclusivity, addressing various social, economic, and cultural aspects of building a more inclusive India.

Among the various submissions, one e-poster stood out for its creativity, depth of thought, and visual impact. The poster prepared by Smriti Mishra, was selected as the winning entry. Smriti's digital artwork beautifully captured the essence of inclusivity, envisioning a society where everyone, regardless of their background, is given equal opportunities to thrive.

Winning Entry Poster